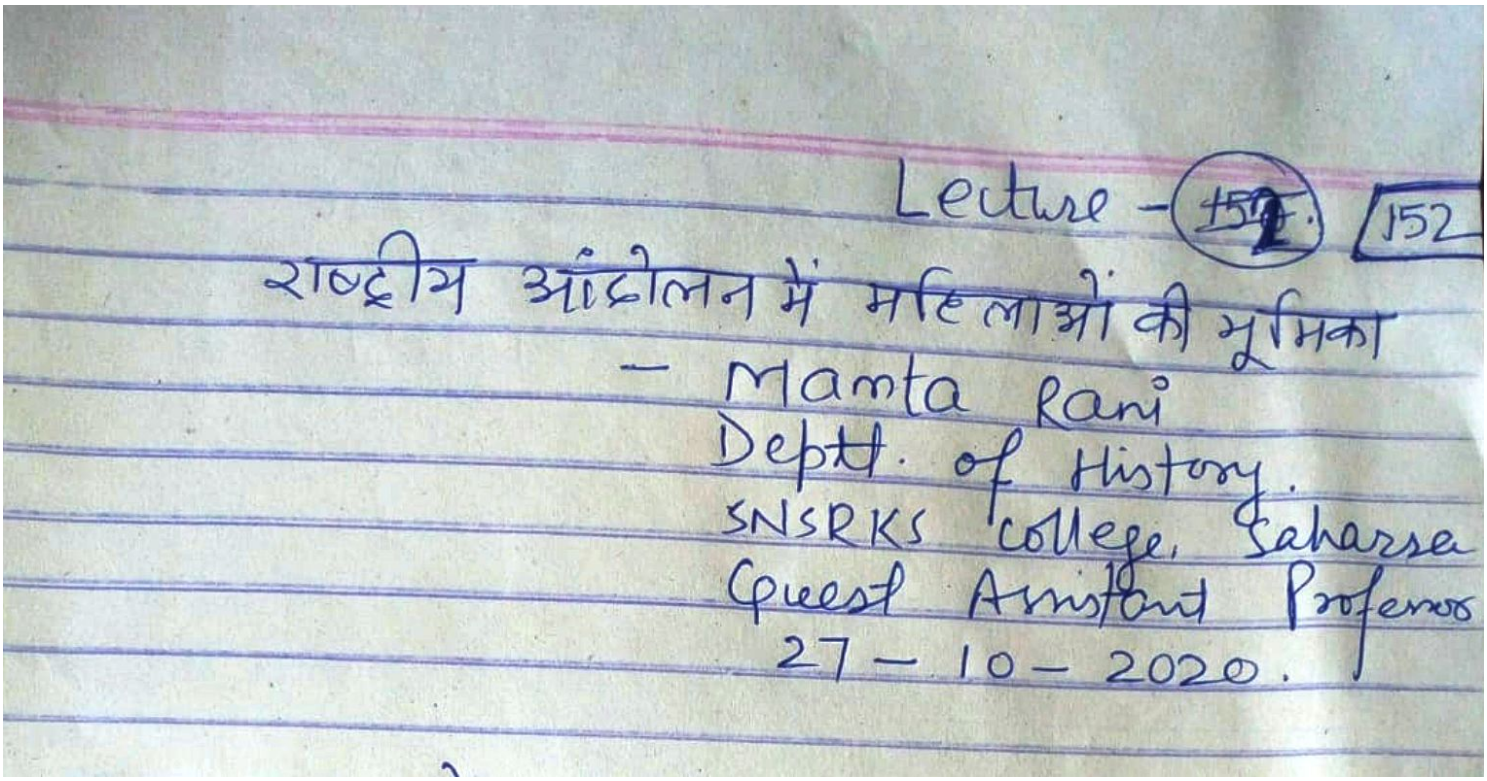

Lecture - 152 152

राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भूमिका

- Mamta Rani
Deptt. of History.
SNSRKS college, Saharsa
Guest Assistant Professor

27 - 10 - 2020.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

(9)

सीमाएं -

- समाज में पतित मानी जाने वाली महिलाओं एवं देवदासियों की भागीदारी को राष्ट्रीय आंदोलन के अंदर प्रोत्साहित किया जाना
- लैंगिक विभेद पूर्व की भांति बरकरार
- मुस्लिम महिलाओं की भागीदारी अत्यंत सीमित
- पुरुष अभिभावकत्व की अवधारणा विद्यमान

समीक्षा / निष्कर्ष -

- ब्रिटिश सत्ता को वैधानिक चुनौती
- महिलाओं के भाग लेने से अन्य सभी वर्गों को भी आंदोलन में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरणा
- महिलाओं का राजनीतिक उत्थान

Scanned with CamScanner

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

मद्रास में महिलाओं की भागीदारी बम्बई और बंगाल की तुलना में कम रही। गांधीवादी विचारों का प्रभाव कम

- 1931 में त्रिचनापल्ली से वेदारण्यम तक की यात्रा के दौरान नमक कानून भंग करने के जुर्म में सी. राजगोपालाचारी के साथ रुक्मिणी लक्ष्मीपति गिरफ्तार
- दुर्गाबाई ने मद्रास में सविनय अवज्ञा के समर्थन में नमक सत्याग्रह के आयोजन के लिए टी. प्रकाशम् को प्रोत्साहन। टी. प्रकाशम की गिरफ्तारी के बाद नेतृत्व की जिम्मेदारी दुर्गाबाई को।
- नेहरू परिवार की महिलाओं - स्वरूपरानी नेहरू एवं कमला नेहरू द्वारा महिलाओं को राष्ट्रवादी गतिविधियों में शामिल होने हेतु भावनात्मक आह्वान
- आगे चलकर भारत छोड़ो आंदोलन में भी महिलाओं की भागीदारी रही। यद्यपि इस आंदोलन की हिंसक प्रकृति के कारण भागीदारी कम रही।

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz